दिनांक 17/12/2019

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 17/12/2019 को महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज (इलाहाबाद) में आओ मिलकर पढ़े कार्यक्रम का विधिवत एक घंटे तक अध्ययन कर शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केंद्र के अकादमिक निदेशक प्रो. अखिलेश कुमार दुबे ने कार्यक्रम की उपादेयता समझाते हुए कहा कि आज हमें पुस्तक संस्कृति को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, यदि हम अनर्थ से बचना चाहते हैं और अपनी शैक्षिक संस्कृति को बचाए रखना चाहते हैं तो हमें पुस्तकों की तरफ अधिक रूख करना होगा ।

पुस्तकें सदैव हमारी सच्ची मित्र होती हैं। पुस्तकें हमारे लिए एक ऐसे संसार का सृजन करती हैं जो इस वास्तविक संसार से अलग है । वास्तविक संसार दुःख और कष्टों से भरा पड़ा है, लेकिन वास्तव में पुस्तकों के संसार में केवल आनंद ही आनंद है । सच्चे आनंद के लिए हमें पुस्तकों के संसार में जाना होगा। आज समाज में नैतिक मूल्यों की गिरावट का प्रमुख कारण अच्छी पुस्तकों से दूरी है ।अतः हमें मिलकर इस दूरी को मिटाना है और आओ मिलकर पढ़ें कार्यक्रम को सफल बनाना है ।

कार्यक्रम का समापन एक घंटे के सामुहिक अध्ययन के पश्चात हुआ। कार्यक्रम का समापन करते हुए केंद्र की सहायक आचार्य डॉ. अवंतिका शुक्ला ने कहा कि साथ बैठकर पढ़ने की आदत समाप्त होती जा रही है जिसे बचाए रखने के लिए आओ मिलकर पढ़ें अति उपयोगी सिद्ध होगा। हमें इस कार्यक्रम की निरंतरता को बनाये रखना होगा । पुस्तकें हमारे तर्क को सुदृढ़ करने में महती भूमिका का निर्वाह करती हैं ।

आओ मिलकर पढ़ें कार्यक्रम में केंद्र के सहायक कुलसचिव श्री विनोद रमेश वैद्य, सभी शिक्षक डॉ. ऋचा द्विवेदी, डॉ. आशा सिंह, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. अनुराधा पाण्डेय, डॉ. गरिमा, डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय, डॉ. प्रभात कुमार सिंह, डॉ. जोगदंड शिवाजी एवं डॉ. अनूप कुमार तथा गैर-शैक्षिणिक एवं केंद्र में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए ।

(अखिलेश कुमार दुबे)